

सबसे कम  
10.7 °C  
अधिकतम  
18.4 °C

### अमृतवाणी

फोकस ऐसा रखो कि आपके और आपके सपनों के बीच में कोई न आ सके।

सूर्योदय : 7:14 सूर्यास्त-5:37

वर्ष : 52/ अंक : 08 बुधवार, 08 जनवरी 2025

पौष, शुक्ल पक्ष, नवमी संवत् 2081

मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

# मुजफ्फरनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

मतदान व्यवस्था निष्पक्ष, ईवीएम हैक-प्रूफ : मुख्य चुनाव आयुक्त



लाख हमने की तरक्की छू लिया आकाश को... कुछ जनों का मन बदलना आज भी मुमकिन नहीं....

## 'मुर्दे' ही उठकर 'जिंदा' नेताओं को शिकायत करेंगे, शायद तभी बनेगी यह 80 फुट रोड

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर शहर की एक 80 फुट चौड़ी ऐसी सड़क जो सालों से नहीं बिल्कि लगभग 20 साल से विकास की बांध जोड़ रही है। यूनो जनपद में विकास की गंगा-यमुना कहा-कहा बह रही है, यह बताने की आवश्यकता ही नहीं है। शायद पूरे शहर में एक भी सड़क ऐसी नहीं होगी, जिस पर वाहन सरपट दौड़ सकते हों। हर सड़क में गड्ढों के अलावा कुछ ही नहीं, मगर सरपट गोल चक्कर से रुकी चुंगी को निकलने वाली यह सड़क पिछले 20 वर्षों से दर्दनाक हालत में है। बिना बारिश के भी इस सड़क पर होने वाले जलप्रवाह में छोटी-मोटी मछलियां नहीं बल्कि इंसान भी तैर सकते हैं। दुर्घटना वाहन तो आए

दिन और दिन में दर्जनों बार यहां फंसे दिखाई देते हैं और चौपटिया वाहन बिना अपने पहिये कोचड में डुबोए यहां से निकल नहीं सकते। बड़ी बात यह है कि हर बार यहां के नागरिक इसी विश्वास पर समाप्तों, विधायकों और सांसदों को वाट देते आए हैं, मगर पिछले 20 वर्षों में किसी ने भी इस सड़क को बनवाने का प्रयास नहीं किया। बड़ी बात यह है कि यह सड़क सिर्फ अल्लाह के भरोसे नहीं है, रामप्रभोसे भी है। यूनो तो यह सड़क मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र के बीच में है मगर इसी सड़क पर जनकपुरी का रमशन घाट भी है जहां जनकपुरी के लोग शवों के अंतिम संस्कार के लिए यहां पर लाते हैं। उसके बावजूद भी यह सड़क बनती दिखाई नहीं पड़ती।



### किसी दिन मुर्दा ही उठकर बोलेगा कि नेताजी मैं तो जा रहा हूँ, मगर अपने जाने से पहले ये सड़क बनवा देना

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। यह कहना कहीं भी गलत न होगा कि यह सड़क शायद उसी दिन बनेगी, जिस दिन किसी अंतिम यात्रा के पीछे कोई बड़ा नेता राम नाम सत है कहता हुआ चल रहा होगा और तभी अर्थों से मुर्दा उठेगा और कहेगा कि श्रीमान रामनाम को छोड़िए इस सड़क का उद्धार मेरे जाने के बाद जरूर करना दीजिएगा। शायद उसी दिन किसी नेता की आंख वास्तविक रूप से खुलेगी, क्योंकि जनपद में जीवित जनता की तो सूचना नेताओं ने विकचुरल छोड़ दिया, शायद जब मुर्दा जागृत तो नेताओं को यह आ जाए कि चलो जीवित लोगों की तो हमने सूचना छोड़ दिया, मुर्दों की बात तो हमारा इश्र ब्याह हो सकता है, यह बताने की जरूरत नहीं है। इस सड़क के हालात ऐसे हैं, कि जनकपुरी, इंदिरा कॉलोनी मोहल्ले के अंतिम संस्कार करने वाले लोग इस सड़क से अंतिम यात्रा इसलिए भी नहीं ले जाते, क्योंकि उबड़ खाली सड़कों के कारण अंतिम यात्रा को कांक्षा देने में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कब कहां कितना गहरा गड्ढा आ जाए और किसका पैर डगमगा जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है। ऐसे में अधिकांश लोग इस सड़क से जाने में बचते हैं।



**अल्लाह वालों की भी नहीं सुनते नेता**  
मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। हर पांच साल बाक की गैरचयन, कमी विधायकी तो कमी सांसदों के नाम पर मुस्लिमों के बोट डेटेजे वाले नेता भी आज भी उठते ही नहीं सुनते, जबकि मुजफ्फरनगर जनपद में मौजूद सांसद मुस्लिम मतों के दान पर ही चुनाव जीते हैं उनके बावजूद भी इस सड़क की सुध लेने के लिए कोई नहीं आता। आजपाई तो थायट इस वजह से इस सड़क के निर्माण में कोई रुचि नहीं रखते होंगे, क्योंकि आजपाईयों को तो मुस्लिम वोट हर बार थोड़ा ही देता है, मगर जितने वोटों के दान पर मुजफ्फरनगर के सांसद बने हैं, कम से कम उनके लिए तो यह सड़क तुरंत बनवा देनी चाहिए।

**विजनीर व मुजफ्फरनगर दोनों सांसदों के कोटे में आती है यह सड़क**  
मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। सरपट गोल चक्कर से रुकी चुंगी जाने वाली यह सड़क दो संसदीय क्षेत्रों का हिस्सा है। इसका कुछ भाग विजनीर लोकसभा सीट जहां के सांसद चंदन चौहान हैं तथा कुछ भाग मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट में आता है, जिसके सांसद हरदय मलिक हैं। दो-दो सांसद होने के बावजूद भी इस सड़क का उद्धार कोई नहीं करा पा रहा। इससे पहले विजनीर से बसपा सांसद मल्क नगर ने भी कभी इस सड़क पर आकर झोंककर नहीं देखा। हालांकि बसपा सांसद मल्क नगर के नाम के गुम्बुदा की तलाश के पोस्टर मुस्लिम मतदाता चुनाव के दौरान लगा चुके हैं, मगर तब तक नगर का कार्यकाल लगभग पूरा हो चुका था। चूंकि वर्तमान सांसद मुस्लिम मतदाताओं के दान पर सांसद बन ही नहीं इच्छित अथवा तो वर्तमान सांसद चंदन चौहान का ध्यान भी इस सड़क पर नहीं है, फिर भी सांसद होने के नाते उन्हें आस है कि वर्तमान सांसद इस सड़क को बनवाने का काम करेंगे। अब देखा वह होगा।

## बेबाक विक्रम सैनी बोले - कि मौलाना को तो कोई हिन्दू छोरा ही उड़ा देगा, अखिलेश ने कौन सी खतना करा रखी है

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। अपने बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले हरफनमौला पूर्व विधायक विक्रम सैनी जब भी माइक के सामने आते हैं, कुछ न कुछ बेबाक ही बोल जाते हैं। आज भी जब मीडिया के कैमरे उनके सामने आते तो वे मीडिया के बयानों का बेबाक जवाब देने से खुद को नहीं रोक पाए। उन्होंने सबसे पहले महाकुंभ मेले पर अंतिम इंडिया मुस्लिम समाज के मुखिया मौलाना शाहबुद्दीन रिजवी के बयान का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें तो कोई हिन्दू छोरा किसी भी दिन उड़ा देगा, उन्हें कुछ नहीं पता, वे अपना डीएनए काराएंगे तो खुद हिन्दू मिलेंगे। जब पाकिस्तान-हिन्दुस्तान का बंटवारा हो चुका है तो कौन ही बकबोर्ड की जमीनी प्रयागराज में होगी। और हीरो भी तो होने दो इस बात की कोई परवाह नहीं है। यह भूमि अब किसी निजी कार्य में मुजफ्फरनगर आए थी।



सनातनियों को है। विक्रम सैनी ने आगे अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे कौन सा मुसलमान हैं, उनकी कौन सी खतना हुई है, वे भी हिन्दू ही हैं। बस वोट लेने के चक्कर में मामला गुंबुदा जाता है। उन्हें मुसलमानों की बोट चाहिए, इसलिए उन्हें खुश कर रहे हैं। 2027 के चुनाव में उनका पूरा गुम्बुदा साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 800 वर्ष तक मुस्लिम शासकों ने हिन्दू राजाओं में आपसी फुट होने का फायदा उठाकर ख्यागराज सहित कई जमीनों पर अपना कब्जा कर लिया था। अब एक इंच भी भूमि बकबोर्ड की भूमि नहीं है। कांग्रेस के शासन में गुंबुदा होने के कारण यह बोर्ड बना था अब वह भूमि हमारी ही रहेगी। यह सब बयान उन्होंने उस समय दिये जब आज भी जिलाधिकारी से मिलने अपने

## दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए पांच फरवरी को मतदान, परिणाम 8 फरवरी को होंगे घोषित

नवी दिल्ली 07 जनवरी (वार्ता) दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में पांच फरवरी को मतदान होगा और परिणाम आठ फरवरी को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मॉन्टलावर को दिल्ली विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि यहाँ एक चरण में सभी 70 सीटों पर पांच फरवरी को मतदान होगा जबकि मतगणना आठ फरवरी को होगी। श्री कुमार ने कहा कि दिल्ली में एक करोड़ 55 लाख कुल मतदाता हैं, जिनमें 83 लाख से ज्यादा पुरुष और 71 लाख से अधिक महिला मतदाता हैं। कुल 13 हजार 33 वॉलिंग बूथ

हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से किसी तरह के छेड़छाड़ को न्युनीयत बताने हुए कहा कि ईवीएम में अवेथ वोट डालने की संभावना नहीं है। ईवीएम फुफ्फूड़ डिटालस है। इसे मतदान के बाद सील कर दिया जाता है। ईवीएम किसी भी तरह से हैक नहीं हो सकता है और यह चुनाव का सबसे सुरक्षित तरीका है। मतों की गिनती से पहले हर ईवीएम की सील चेक होती है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की कल अंतिम मतदाता सूची जारी की गई, जिसमें कुल एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता हैं। इनमें

कुल 83 लाख 49 हजार 645 पुरुष और 71 लाख 73 हजार 952 महिला मतदाता शामिल हैं। शर्द जंजर मतदाताओं की संख्या 1261 है। मतदाता पहचान पत्र पाने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा करने के मामले में 24 लोगों के खिलाफ आठ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नए मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा करने के खिलाफ चेतावनी दी है। गौरलभ है कि 2020 के चुनाव में आम आदमी पार्टी को 62 सीटें और भाजपा को आठ सीटें मिली थी। वहीं, कांग्रेस पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही थी।

### दिल्ली विधानसभा चुनाव की अधिसूचना शुक्रवार को, मतदान 05 फरवरी को

नवी दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिये मंगलवार को घोषित कार्यक्रम इस प्रकार है: अधिसूचना - 10 जनवरी (शुक्रवार) नामांकन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी (शुक्रवार) नामांकन पत्रों की जांच - 18 जनवरी (शनिवार) नामांकन पत्रों की वापसी - 20 जनवरी (सोमवार) मतदान - 05 फरवरी (बुधवार) मतगणना - 08 फरवरी (शनिवार)



### गन्ना लोडर से बाईक सवार ग्रामीणों की दर्दनाक मौत

बुढ़ाना, 07 जनवरी (बु.)। गन्ना लोडर की चपेट में आकर बाइक सवार एक ग्रामीणों की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक ग्रामीण जिला पंचायत सदस्य का भाई बताया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बुढ़ाना सिकंदर के पुलिस थानाधिकारी गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मंगलवार को सायं लगभग 05 बजे करवा बुढ़ाना में लगभग 42 वर्षीय देवेश शर्मा पुत्र महेश शर्मा निवासी ग्राम गोवला थाना शाहपुर जो कि अपनी मोटर साइकिल पर सवार था। उसकी बाइक में गन्ना लोडर करने वाले एक लोडर चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से देवेश बुरी तरह घायल हो गया। बुढ़ाना पुलिस ने आते-जाते लोगों की सहायता से घायल देवेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सकों ने देवेश को मृत घोषित कर दिया। उधर पुलिस ने लश्करी कार्यवाही करते हुए गन्ने के लोडर को कब्जे में ले लिया और मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी।

## अफसरों को दी बलकटी से काट देने की धमकी

मुजफ्फरनगर, 07 जनवरी (बु.)। भाकिरू के कलेक्ट्रेट में संपन्न धरने पर युवा जिलाध्यक्ष टाकूर नरेश पुंडीर ने अपने उग्र तेवरों में हाल ही में विजोपुर गांव में बिजली विभाग के जेई द्वारा अभद्रता किए जाने की घटना को दुःखदायी बताने हुए स्पष्ट रूप से चेतावनी कि अगर वे वहां मौजूद होते तो ऐसे अधिकारी का सिर फाड़ देते। उन्होंने सार्वजनिक मंच से अपशब्दों का प्रयोग करते अधिकारियों को सुधर जाने की नसीहत देने के साथ भाकिरू कार्यकर्ताओं को फिर से अपने तेवरों में धार लाने का आह्वान किया। युवा नेता डा. नरेन्द्र पुंडीर ने मंच से कहा कि जो भी जिले का अधिकारी अब भाकिरू में अपने किसान भाईयों या भाकिरू कार्यकर्ताओं की ओर टेंडी नजर करेंगे, उसे कार्यकर्ता बलकटी से काट देंगे।



## जिला चिकित्सालय में दिल के डॉक्टर नहीं! मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से सप्ताह में चार दिन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा डॉक्टर

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय में तीन माह पहले अक्टूबर में डॉक्टर बोकें जैन का रिटायरमेंट हो चुका है। उसके बाद से यहां दिल का डॉक्टर ही नहीं है। कड़कड़ाती ठण्ड में आए दिन दिल के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। चूंकि ठण्ड में खून गाढ़ा हो जाता है, जिस कारण हार्टअटैक का खतरा लगातार बना रहता है। ऐसे में मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय में जहां दिल के मरीज बढ़ रहे हैं वहीं जिला चिकित्सालय में डॉक्टर ही मौजूद नहीं है। इस बावत आज मीडिया ने जब इस संबंध में सीएमओ डॉ. सुनील तेंवतिया से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर बोकें जैन के रिटायर होने के बाद से यहां डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो पाए हैं, जिसके चलते अब मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से चार दिन के लिए डॉक्टर उपलब्ध कराये जाएंगे। सोमवार से बुधवार तक यहां डॉक्टर मौजूद रहेंगे। शासन को निरामित हाट का डॉक्टर उपलब्ध कराने के लिए पहले से ही अमवत कराया जा चुका है। अब शासन कब तक डॉक्टर उपलब्ध कराते हैं, यह



जवाब अभी नहीं आ पाया है। आंकड़ों की मानें तो अप्रैल-सितम्बर 2024 तक कुल 11835 मरीजों को जिला चिकित्सालय की ओपीडी में देखा गया मगर अक्टूबर से दिसम्बर के बीच सिर्फ 2376 मरीज ही जिला चिकित्सालय की ओपीडी में देखे गए हैं, जिसमें अक्टूबर में 920, नवम्बर में 701 तथा दिसम्बर में कुल 755 मरीज देखे गए हैं। इसके अलावा जो मरीज आए हैं, उन्हें मजबूर प्राइवेट

हॉस्पिटल में जाकर अपना महंगा इलाज कराना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब व्यक्ति तो उपचार से पहले ही मरता दिखाई देगा, क्योंकि उसकी जेब में भारी भरकम रकम वसूल करने वाले प्राइवेट डॉक्टरों की फीस और उपचार के लिए पैसे ही नहीं होंगे तो वह खुद ही दम तोड़ देगा। ऐसे में शासन को चाहिए कि तुरंत मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय में हार्ट के चिकित्सक उपलब्ध होने चाहिए।

**उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन (एनजिओ)**  
**प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा गोपाल मिश्र,**  
**कार्या जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी**  
**की संवृति पर प्रदेश युवा**  
**उपाध्यक्ष तरुण मिश्र द्वारा**  
**संघर्ष समिति का गठन करते हुए**  
**अध्यक्ष कार्तिकेय मिश्र,**  
**महामंत्री आकाश मिश्र, कोषाध्यक्ष प्रिन्स गुप्ता**  
**को मनोनीत करने पर हार्दिक बधाई**

**तरुण मिश्र**  
संघर्ष समिति का गठन करते हुए

**कार्तिकेय मिश्र**  
अध्यक्ष

**आकाश मिश्र**  
महामंत्री

**प्रिन्स गुप्ता**  
कोषाध्यक्ष

**सुरदास बलविंदर सिंह**  
प्रदेश मंत्री

**राकेश त्यागी**  
कार्यकारी जिलाध्यक्ष

**विशाल जैन**  
(राज्य बाले) जिला महामंत्री

**पवन वर्मा**  
जिलाध्यक्ष सरकारी एसेओ

**सुभाष मिश्र**  
जिला उपाध्यक्ष

**कुलदीप मिश्र**  
नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष

**प्रदीप मिश्र**  
नगर मंत्री

**संदीप मिश्र**  
नगर मंत्री





